NT>

Title: Requests the Central Government to provide adequate relief measures to the drought affected areas and solve the drinking water problem in Rajasthan.

श्री नरेन्द्र बुडानिया (चुरू) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं। राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है जो हर काम में आगे है।

... (व्यवधान)

भारत को बहादुर सैनिक और दूध राजस्थान देता है तथा और भी बहुत से खनिज देता है। आज राजस्थान अकाल से जूझ रहा है। राजस्थान के करीब २०७० गाव भयंकर अकाल से पीड़ित हैं।

राजस्थान में अकाल के कारण आज पीने का पानी नहीं है, पशुओं के लिए चारा नहीं है। पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था न होने के कारण उनकी हालत को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। राजस्थान सरकार के सीमित साधनों के बावजूत अकाल से राहत के लिए वहां सवा तीन लाख लोग राहत कार्य में लगे हुए हैं। राजस्थान के जो प्रमुख अखबार हैं उनमें इस बारे में भयंकर चिंता जताई गयी है। भारत सरकार का राजस्थान की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार होने के कारण भारत सरकार सहायता देने में दोगली नीति अपना रही है। राजस्थान आपदा कोष में ९५ करोड़ रुपया शेष बचा है लेकिन भारत सरकार राजस्थान को सहायता देने के संबंध में ध्यान नहीं दे रही है। अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। राजस्थान की पूर्व भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आज राजस्थान के खजाने में पैसा नहीं है। उन्होंने भारत सरकार से १५०० करोड़ रुपये की मांग की है, इन्होंने पैसा नहीं दिया है। यह बहुत गंभीर विषय है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि वह लोक सभा के अंदर एक बयान जारी करे और एक केन्द्रीय टीम राजस्थान भेजे। राजस्थान सरकार ने जो अतिरिक्त सहायता की मांग की है वह सहायता उन्हें उपलब्ध कराए, ताकि राजस्थान सरकार अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध करा सके व पीने के पानी की समुचित व्यवस्था करा सके तथा चारे के लिये सब्सिडी दे सकें।